सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 47 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 मार्च, 2025

जब आप किसी काम की शुरुआत करें, तो असफलता से मत डरें और उस काम को न छोड़ें। जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं वो सबसे प्रसन्न होते हैं।

–चाणक्य


आईपीएल के पहले मैच पर छाए संकट... 7 | नागपुर हिंसा के बाद भाजपा पर... 3 | भाजपा को किसानों की कोई... 2


# राष्ट्रगान का अपमान, नीतीश की बढ़ सकती हैं मुश्किलें!

## महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर भी नीतीश कुमार ने बजाई थी ताली

» बिहार विधान सभा में मच गया हंगामा

» विपक्ष ने मुख्यमंत्री के कारनामे को कोसा कार्रवाई की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की मुश्किलें कम होने की बजाए लगातार बढ़ रही हैं। एक बार फिर उनके आचरण को लेकर विपक्ष उनके ऊपर हमलावर है। ताजा मामला राष्ट्रगान के दौरान सीएम नीतिश कुमार का लगतार बातें करना और हसंना बना है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राष्ट्रगान के दौरान सीएम साथ खड़े अधिकारी से बात करते और हंसते दिख रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने कहा है कि लाडले मुख्यमंत्री लगातार राष्ट्रगान का अपमान कर रहे हैं और पीएम मोदी मौन है।

### चंद सेकेंड के लिए भी स्थिर नहीं रह सकते : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतिश कुमार जी आपको याद दिला दें कि आप एक बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। चंद सेकेंड के लिए भी आप मानसिक और शारीरिक रूप से स्थिर नहीं हैं और आपका इस तरह अचेत अवस्था में इस पद पर बने रहना प्रदेश के लिए अति चिंताजनक बात है। बिहार को बार-बार यूं अपमानित मत कीजिए।

### तेजस्वी यादव ने जारी किया वीडियो

तेजस्वी यादव ने राष्ट्रगान के दौरान सीएम नीतीश कुमार की हरकतों को लेकर एक्स पर एक पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था, कम से कम कृपया राष्ट्रगान का तो अपमान मत करिए मुख्यमंत्री जी। युवा, छात्र, महिला और बुजुर्गों को तो आप प्रतिदिन अपमानित करते ही हैं। कभी महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर ताली बजाकर उनकी शहादत का मखौल उड़ाते हैं तो कभी राष्ट्रगान का!

### पीएम मोदी पर भी साधा निशाना

नेता प्रतिपक्ष ने इस दौरान प्रधानमंत्री को भी घेरा और कहां की मुख्यमंत्री उनके लाडले हैं मगर राष्ट्रगान के अपमान के मुद्दे पर उन्होंने एक ट्वीट भी नहीं किया। तेजस्वी ने भाजपा को बड़का नौटंकी पार्टी बताते हुए कहा इनके दो-दो उप मुख्यमंत्री हैं, मगर वह भी घटना पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

### नेता प्रतिपक्ष ने दिया कार्य स्थगन का प्रस्ताव

आज देश की 140 करोड़ जनता का सिर शर्म से झुक गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के खिलाफ उन्होंने विधानसभा में कार्य स्थगन प्रस्ताव भी दिया है और मांग की है कि सभी कार्य रोक कर इस पर बहस होनी चाहिए।

### डिप्टी सीएम पर भी मुकदमे की मांग

राष्ट्रगान के अपमान के पर तीन साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने मांग की की दोनों उपमुख्यमंत्री पर भी मुकदमा होना चाहिए और मुख्यमंत्री राष्ट्र से माफी मांगें। दूसरी ओर विधान परिषद पोर्टिको में भी विपक्ष के नेताओं ने राबड़ी देवी के नेतृत्व में इस मामले को लेकर प्रदर्शन किया।

### सीएम का इलाज हो : रणविजय साहू

राष्ट्रगान के दौरान सीएम नीतीश कुमार के व्यवहार पर राजद आंदोलित है। राजद विधायक रणविजय साहू ने कहा कि राष्ट्रगान के दौरान सीएम की हरकतों से बिहार ही नहीं, देश भी शर्मसार हो रहा है। बिहार और देश पूछ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहां हैं? पीएम मोदी के लाडले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। उन्होंने आगे कहा कि महागठबंधन के तमाम साथी मांग करते हैं कि ऐसे मुख्यमंत्री का इलाज होना चाहिए। किसान और मजदूर चाहते हैं कि सीएम आप अपना इलाज कराइए, बिहार शर्मसार हो रहा है।

## विपक्ष ने किया सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

बिहार विधानसभा में शुक्रवार को राष्ट्रगान के अपमान के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विधानसभा परिसर के साथ ही सदन के अंदर भी इसे लेकर प्रदर्शन हुआ और इस दौरान विपक्ष ने सरकार विरोधी नारे लगाए। विपक्ष के सदस्यों की मांग थी कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रगान का अपमान किया है, उन्हें 140 करोड़ जनता से माफी मांगनी चाहिए। नेताओं ने भाजपा के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने की मांग की। शुक्रवार को बिहार विधानसभा में सरकारी कामकाज प्रारंभ हो इसके पूर्व संपूर्ण विपक्ष में हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विधानसभा पोर्टिको में जोरदार प्रदर्शन किया। विपक्ष ने मुख्यमंत्री में राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप लगाया।

### मजलूमों और कमजोरों की आवाज तेजस्वी

राजद विधायक ने आगे कहा कि तेजस्वी यादव कमजोर और वंचितों की आवाज हैं। वह लगातार संघर्ष कर रहे हैं। हम बिहार को इस अवस्था में नहीं छोड़ सकते। हम बदलो बिहार का नारा देकर, बिहार को बदलेंगे। तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाएंगे।

### आपत्तिजनक फोटो बनाने पर तेजस्वी यादव ने किया साइबर थाने में केस

बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने साइबर थाने में मामला दर्ज कराया है। दर्ज किये गये प्राथमिकी में लिखा गया है कि फेसबुक पर राजद बिहार सरकार के नाम से पेज बनाया गया है। इसका मकसद यह है कि राजद की छवि और आचरण को खराब करना है। इस मामले पर तेजस्वी यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने एआई की मदद से ऐसा किया है।

### कोई और होता तो पीएम मौन नहीं रहते : मनोज

राजद मनोज कुमार झा ने कहा कि अगर सीएम नीतीश कुमार की जगह और कोई गैर बीजेपी शासित राज्य का मुख्यमंत्री होता तो अब तक पीएम मोदी के अकाउंट से पोस्ट की बरसात हो रही होती।

# भाजपा को किसानों की कोई परवाह नहीं : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले - बीजेपी ऊपर से अर्थव्यवस्था को देखती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसानों के विरोध प्रदर्शन के मुद्दे पर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें किसानों की कोई परवाह नहीं है। भाजपा पर निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि किसी भी सरकार को किसानों के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए, इसलिए उनकी मांगों पर चर्चा होनी चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में सपा प्रमुख ने कहा कि जहां तक किसानों का सवाल है, भाजपा को उनकी कोई परवाह नहीं है। सपा प्रमुख ने कहा कि हमें जमीनी स्तर पर अपनी व्यवस्था को सुधारना है, किसानों को समृद्ध बनाना है।

लेकिन भाजपा ऊपर से अर्थव्यवस्था को देखती है और बड़े लोगों को अमीर बनाती है। कहीं भी किसी भी सरकार को किसानों के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए, उनकी मांगों पर चर्चा होनी चाहिए। इससे पहले आज किसान मजदूर संघर्ष समिति के सतनाम सिंह पन्नू ने संभू और खन्नौर सीमा से किसानों को बेदखल करने के लिए केंद्र और पंजाब राज्य सरकार दोनों की निंदा की। किसान मोर्चा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में पन्नू ने कहा कि आज वे किसानों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हरियाणा और पंजाब में उपायुक्तों के कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

## इफ्तार पार्टी में शामिल हुईं सोनिया, खरगे और अखिलेश यादव

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी सांसद जया बच्चन इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल हुए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल हुए। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल होने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग हमारी सहयोगी है और संसद के ऊपरी और निचले सदन में उनकी बहुत मजबूत उपस्थिति है।

## आप और भाजपा किसान विरोधी : प्रमोद तिवारी

पुलिस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि कल रात, जब किसान गहरी नींद में सो रहे थे, 3,000-4,000 सशस्त्र पुलिसकर्मियों ने उन्हें (हरियाणा-पंजाब शंभू सीमा से) हटाने के लिए बल और बुलडोजर का इस्तेमाल किया, और भूख हड़ताल पर बैठे बुजुर्ग डल्लेवाल को भी नहीं बख्शा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आप और भाजपा किसान विरोधी हैं और यह कार्रवाई पंजाब के सीएम भगवंत मान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच साजिश का हिस्सा है।उन्होंने कहा कि अब घटनाक्रम समझिए...पहले भगवंत मान किसानों को सीएम हाउस से बाहर निकालते हैं। फिर वह गृह मंत्री अमित शाह से मिलने जाते हैं। फिर दोनों के बीच साजिश रची जाती है जो कल की दमनकारी कार्रवाई के रूप में सामने आती है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और आप दोनों किसान विरोधी हैं। यह दोनों के लिए आत्मघाती कदम था क्योंकि अब वे पंजाब में डूब जाएंगे। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पंजाब के कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की, जो किसानों के मुद्दों को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

# यूपी में पीडीए को ज्यादा हिस्सेदारी देगी कांग्रेस

» कांग्रेस के जिला एवं महानगर अध्यक्ष घोषित

» 60 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी मिली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के जिलाध्यक्षों एवं महानगर अध्यक्षों की सूची जारी कर दी गई है। लखनऊ में जिलाध्यक्ष बदल दिया गया है, जबकि महानगर अध्यक्षों को दोबारा मौका मिला है। रायबरेली, सुल्तानपुर और अमेठी के जिलाध्यक्ष को भी दोबारा मौका दिया गया है, जबकि शहर अध्यक्ष बदल दिए गए हैं। अमेठी में अभी शहर अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई है। अब तक जारी सूची में दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों को करीब 60 फीसदी की हिस्सेदारी मिली है। जिन स्थानों पर महानगर अध्यक्ष को लेकर विवाद की नौबत थी, वहां अभी नाम की घोषणा नहीं की गई है।

जिलाध्यक्षों में ज्यादातर उन नेताओं को मौका दिया गया है, जो निरंतर पार्टी में सक्रिय रहे हैं। जबकि महानगर अध्यक्ष बनाते समय संबंधित शहर के सियासी समीकरण का ध्यान रखा गया है। जारी सूची में लखनऊ का जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बब्लू को बनाया गया है, जबकि महानगर अध्यक्ष पद पर शहजाद और अमित त्यागी को दोबारा मौका मिला है। इसी तरह बलरामपुर का जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी को बनाया गया है, जबकि अभी शहर अध्यक्ष घोषित नहीं किया गया है। गोंडा का जिलाध्यक्ष राम प्रताप सिंह, शहर अध्यक्ष शाहिद अली कुरैशी, अयोध्या का जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह, शहर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम और अंबेडकर नगर का जिलाध्यक्ष केके यादव को बनाया गया है। यहां अभी शहर अध्यक्ष की घोषणा नहीं की गई है। बाराबंकी का जिलाध्यक्ष मो मोहसिन और शहर अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद वर्मा, सीतापुर का जिलाध्यक्ष ममता वर्मा और शहर अध्यक्ष शिशिर वाजपेयी, सुल्तानपुर का जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राना और शहर अध्यक्ष शकील अंसारी, रायबरेली का जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी और शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव को बनाया गया है। अमेठी का जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल को बनया गया है, जबकि शहर अध्यक्ष घोषित नहीं किया गया है।

### महिलाओं को भी मौका

जिलाध्यक्षों की सूची में महिलाओं को भी मौका दिया गया है। औरैया में सरिता दोहरे, सीतापुर में ममता वर्मा, शामली में शहर अध्यक्ष मुनीश देवी, बिजनौर में जिलाध्यक्ष हैनरीता को बनाया गया है।

# देश की आजादी को लेकर दिए बलिदान पर हिमाचल प्रदेश में बढ़ी सियासी रार

» सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी नोकझोंक

» हमारे नेता अमर रहेंगे भाजपा अपने नेताओं का नाम बताए : संजय रतन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। देश की आजादी को लेकर राष्ट्रीय नेताओं की ओर से दिए गए बलिदान को लेकर वीरवार को सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई।

बजट पर चर्चा के दौरान विधायक संजय रतन ने कहा कि विपक्ष के नेता हमारे राष्ट्रीय नेताओं के नामों का उल्लेख कर रहे हैं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए कुर्बानी दी। वे ये भी बताएं कि उनके किन नेताओं ने देश के लिए कुर्बानी दी है। हमारे राष्ट्र नेता अमर हैं, जब तक सूरज चंद रहेगा, तब तक उनका नाम रहेगा।

### कांग्रेस अपने नेताओं के नाम की योजनाओं को लागू नहीं करती : विपिन

इस पर भाजपा के वरिष्ठ विधायक विपिन सिंह परमार ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि कांग्रेस अपने नेताओं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम से योजनाओं की घोषणा तो कर देती है लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू नहीं करती। ऐसे में उनका मान-सम्मान भाषणों और किताबों तक न रह जाए, इसके लिए उन्होंने उनके नाम का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि देश के लिए लाखों लोगों ने कुर्बानी दी है। क्या सरकार सुभाष चंद्र बोस को भूल गई। उन्हें किताबों में ढका गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में विशाल प्रतिमा बनाने और उनकी मौत का रहस्य पता करने के लिए दस्तावेजों को निकलने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर, श्यामाप्रसाद मुखर्जी के नाम का भी उल्लेख किया।

# कृषि मंत्री को केरल की चिंता मप्र की नहीं : विक्रम

» किसानों के आंसू पोंछना भूल गए शिवराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीहोर। कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा ने शिवराज सिंह चौहान के द्वारा लोकसभा में दिए गए वक्तव्य पर तीखा एक पोस्ट करते हुए लिखा है कि केंद्रीय मंत्री को केरल की तो चिंता है। लेकिन उन्हें बुधनी विधानसभा और सीहोर जिले की कोई चिंता नहीं है।

दरअसल, पिछले दिनों शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में सांसदों के प्रश्नों के जवाब दिए थे। इस दौरान चौहान ने केरल के किसानों की चिंता भी की।

इसके अलावा उन्होंने दक्षिण भारत के किसानों के प्रति भी संजीदगी दिखाई और कहा कि उन्हें वहां के किसानों की भी चिंता है। देश भर के किसी भी कोने के किसान को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। सभी किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

इधर, बुधनी विधानसभा में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री के सामने एक मांग उठा दी।

### सीहोर के किसानों को भूल गए केंद्रीय कृषि मंत्री

बुधनी के युवा कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने ट्वीट करते हुए कहा है कि एक तरफ शिवराज सिंह चौहान केरल की चिंता कर रहे हैं। लेकिन उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र की बुधनी विधानसभा के किसानों की चिंता नहीं है। बीते एक सप्ताह के अंदर सैकड़ों एकड़ जमीन में खड़ा गेहूं जलकर खाक हो चुका है। लेकिन उनकी ओर से कोई भी कथन एवं संवेदना किसानों के प्रति नहीं आई है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली पहुंचने के बाद केन्द्रीय मंत्री किसानों को भूल चुके हैं।

### किसानों को अभी तक कोई भी सरकारी मदद नहीं मिल सकी

बुधनी विधानसभा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकसभा विदिशा के अंतर्गत आती है। ऐसे में पीड़ित किसानों को अभी तक कोई भी सरकारी मदद नहीं मिल सकी है। मुंह के सामने रखी थाली अचानक ही छिन जाना कितना पीड़ादायक होता है, यह उन किसानों से समझा जा सकता है। जो बीते दिनों में आगजनी की चपेट में अपनी फसल को गवां चुके हैं।

# सुर्खियां बटोरने के लिए नकारात्मक बातें करते हैं अशोक गहलोत : जोगाराम

» पूर्व सीएम के बयान पर संसदीय कार्य मंत्री का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे सिर्फ मीडिया में सुर्खियों में बने रहने के लिए नकारात्मक बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत विधानसभा तो आए, लेकिन सदन में नहीं गए, बल्कि केवल मीडिया के सामने बयानबाजी करते रहे।

पटेल ने कहा गहलोत को सदन में आकर मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए, उन्हें सरदारपुरा की जनता ने मौका दिया, लेकिन वे सदन के अंदर तक नहीं आए। वे सिर्फ कांग्रेस की गुटबाजी को हवा देने का काम कर रहे हैं। जोगाराम पटेल ने कांग्रेस पार्टी में गुटबाजी और नेतृत्व के फैसलों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गहलोत ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने का मौका क्यों नहीं दिया? पायलट को रगड़ाई की धमकी क्यों दी? कांग्रेस के अन्य योग्य नेता जैसे परसराम मदेरणा और सीपी जोशी को भी क्यों नहीं मौका दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 25 सितंबर 2022 को जब कांग्रेस अध्यक्ष के दूत मल्लिकार्जुन खरगे जयपुर आए थे, तो गहलोत ने नाटक रचकर विधायकों से मिलने तक नहीं दिया। पटेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद अपने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को बोलने नहीं दे रही। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान जूली को बोलने का मौका नहीं दिया गया, लेकिन हमारी सरकार ने उन्हें बोलने दिया। इसका जवाब देने के लिए ही आज गहलोत विधानसभा आए। उन्होंने कांग्रेस पर सदन में व्यवधान डालने का भी आरोप लगाया कहा कि कांग्रेस जनता के समय की बर्बादी कर रही है।

# नागपुर हिंसा के बाद भाजपा पर उठे सवाल

## विपक्ष का दावा- सरकार की मंशा पर संदेह

» 'छावा' फिल्म के निर्माता के खिलाफ मुकदमा करेंगे फडणवीस : राउत

» सीएम के नागपुर दंगों का ठीकरा 'छावा' फिल्म पर फोड़ने पर सियासी रार बढ़ी

» शिवसेना उद्धव गुट के मुखपत्र सामना में नागपुर हिंसा पर भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा के बाद से वहां की सियासत गरमा गई है। इस हिंसा की गूंज राज्य ही नहीं पूरे देश में सुनाई देन रही है। भाजपा की फडणवीस सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। जहां महाविकास अघाड़ी के महत्वपूर्ण शवसेना (उद्धव गुट) के मुखपत्र सामना ने लगातार दूसरे दिन भाजपा और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा।

वहीं कांग्रेस का दावा है हिंसा के दो दिन बाद भाजपा के लोग पार्टी कर रहे थे। वहीं सामना के लेख में कहा गया है कि नागपुर दंगों का ठीकरा मुख्यमंत्री फडणवीस ने 'छावा' फिल्म पर फोड़ा है, जो उनका मनोबल कमजोर होने का संकेत देता है। उन्होंने घोषणा की है कि दंगों के अपराधियों को नहीं छोड़ा जाएगा। मतलब, वे क्या करेंगे? क्या 'छावा' फिल्म के निर्माता, निर्देशक और औरंगजेब की भूमिका निभाने वाले कलाकार के खिलाफ मुकदमा करेंगे? क्योंकि 'छावा' फिल्म की वजह से दंगे हुए हैं। इस 'छावा' फिल्म के खास शो मुख्यमंत्री ने ही आयोजित किए थे। भाजपा और संघ परिवार की ओर से भी 'छावा' का प्रचार शुरू था।

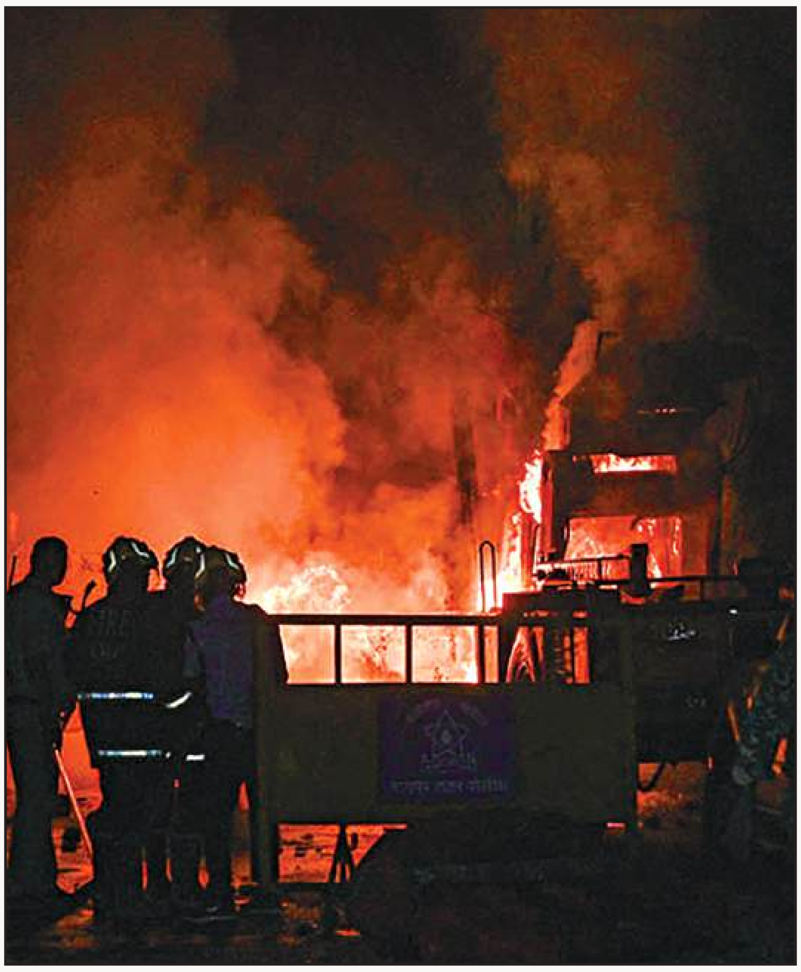

### चीन-पाकिस्तान के खिलाफ भाजपा का खून नहीं खौलता

मोदी काल में पाकिस्तान ने पुलवामा घटना को अंजाम देकर चालीस जवानों की निर्मम हत्या की। चीन ने भी लद्दाख प्रांत में हमारे सैनिकों का सिर कलम किया। फिर भी देश में पाकिस्तान अथवा चीन के खिलाफ आक्रोश का विस्फोट नहीं हुआ और विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के वीर कुदाल-फाव?ा लेकर पाकिस्तानियों के तंबू उखा?ने बाहर नहीं निकले। पुलवामा हमला हुआ था, तब नरेंद्र मोदी जिम कॉर्बेट जंगल में 'सफारी' का आनंद ले रहे थे और उनका भी खून नहीं खौला।

### भारत में युवा मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढ रहे

चीन 140 मीटर ऊंचा कांच का पुल बना रहा है, चंद्रमा पर 'रिसर्च सेंटर' बना रहा है, हाईस्पीड ट्रेन चला रहा है और भारत में क्या हो रहा है? युवाओं को मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढने के काम में लगाया है। उनके हाथों में मस्जिदों की नींव खोदने के लिए कुदाल और फावडे थमा दिए गए हैं। अब बोनस के तौर पर औरंगजेब की कब्र खोदने का काम भी दे दिया।

## मोदी ने युवाओं के हाथों में पत्थर थमा दिए

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के हाथों में कुदाल, फावडे और पत्थर थमा दिए और उनके भक्तों को इस पर गर्व हो रहा होगा। कब्र में प?ा औरंगजेब भी इस पर मन ही मन हंसता होगा। महाकुंभ के सफल आयोजन पर प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में भाषण दिया, लेकिन देश का भविष्य रोज अंधकारमय होता जा रहा है, इस पर वे कुछ बोलते नहीं हैं।

## महाराष्ट्र सरकार पर सपकाल पर उठाए सवाल

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने नागपुर शहर में हिंसा के दो दिन बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए रात्रिभोज पार्टियों का आयोजन करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। सपकाल ने कहा कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने बुधवार को विधानमंडल परिसर के लॉन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया, जबकि सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए भड़काऊ भाषण देने वाले एक मंत्री बृहस्पतिवार को निर्वाचित सदस्यों के लिए एक पार्टी का आयोजन करेंगे। कांग्रेस नेता ने मंत्री नितेश राणे, विधान परिषद के सभापति राम शिंदे और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा दिए गए निमंत्रण को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान आयत वाली चादर जलाए जाने की अफवाहों के बीच हिंसक भीड़ ने सोमवार रात को मध्य नागपुर के कई इलाकों में हिंसा और आगजनी की।

## फडणवीस सिर्फ भाषण देने में व्यस्त

सामना ने लिखा था कि नागपुर का 300 साल पुराना इतिहास है और वहां कभी दंगे नहीं हुए, लेकिन अब शहर को हिंसा की आग में झोंक दिया गया है। सामना ने पूछा है कि जब फडणवीस खुद होम मिनिस्ट्री संभाल रहे हैं, तो फिर दंगाइयों को शहर में घुसने और आगजनी करने की परमिशन कैसे मिली?

## सोशल मीडिया पर 140 भड़काऊ पोस्ट की पहचान की गई

महाराष्ट्र साइबर ने नागपुर हिंसा को लेकर सांप्रदायिक द्वेष फैलाने के इरादे से सोशल मीडिया मंचों पर साझा किए गए 140 से अधिक आपत्तिजनक पोस्ट की पहचान की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ये आपत्तिजनक पोस्ट फेसबुक, इंस्टाग्राम, 'एक्स' और यूट्यूब पर अपलोड किए गए थे। उन्होंने कहा कि ऐसी सामग्री को तत्काल हटाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम 2000 की धारा 79(3)(बी) के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारी के अनुसार, आपत्तिजनक सामग्री जिन खातों से प्रसारित की गई थी, उन्हें संचालित करने वाले लोगों की वास्तविक पहचान उजागर करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 94 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। अधिकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र साइबर ने नागपुर सिटी साइबर पुलिस थाने के साथ समन्वय करके नागपुर दंगों से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री (लिखित संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो) प्रसारित करने में शामिल कई सोशल मीडिया खातों की पहचान की है।

## भाजपा के पेट में नया शिवाजी पल रहा

सामना ने 18 मार्च को लेख में कहा था कि भाजपा के पेट में नया शिवाजी पल रहा है। इसी वजह से वे छत्रपति शिवाजी के इतिहास को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। सामना ने लिखा था कि लोकसभा में भाजपा के ओडिशा के बारग? से सांसद प्रदीप पुरोहित ने कहा था, 'हमारे शिवाजी मोदी हैं। मोदी पिछले जन्म में छत्रपति शिवाजी थे।' तो अब भाजपा ने नए शिवाजी को जन्म दिया है और इसके लिए मूल शिवाजी को खत्म करने की उनकी योजना है। फिर छत्रपति शिवाजी महाराज को खत्म करना है तो पहले औरंगजेब की कब्र को ध्वस्त करना होगा। मतलब इतिहास अपने आप नष्ट हो जाएगा।

## सीएम ने मंत्रियों को राजधर्म का पाठ सिखाया

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने नेताओं को खास नसीहत दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने मंत्रियों को कहा है कि सौहार्द को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि मंत्रियों को अपने बयानों को लेकर संयम रखना चाहिए। नेताओं को ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे समाज में किसी भी तरह का द्वेष फैल सके। देवेंद्र फडणवीस ने ये बयान उस समय दिया है जब एनसीपी-एसपी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटील की ओर से 19 मार्च को आयोजित 'लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर अवॉर्ड 2025' कार्यक्रम में वो हिस्सा लेने पहुंचे थे।

## 69 लोग गिरफ्तार, पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश कर रही

महाराष्ट्र पुलिस ने नागपुर हिंसा के सिलसिले में अब तक 69 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वहीं, महाराष्ट्र के मंत्री योगेश कदम ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमला करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। गृह राज्य मंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून का डर पैदा किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने नागपुर हिंसा के सिलसिले में गिरफ्तारियों की संख्या 54 बताई, लेकिन बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुल 69 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने वाले विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के आठ कार्यकर्ता भी शामिल हैं। कदम ने कहा कि दंगाइयों ने पुलिसकर्मियों पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने कहा, ''हम दिखाएंगे कि पुलिस का डर क्या होता है। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पुलिस का मनोबल प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। कदम ने कहा, ''पुलिस हिंसा के पीछे के मुख्य षड्यंत्रकारी की तलाश कर रही है। मंत्री ने सोशल मीडिया पर गलत वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। सोमवार रात मध्य नागपुर में हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था और पेट्रोल बम फेंके गए थे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

# आखिर देश में कब रूकेंगे ये दंगे

**“ सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुन: कमजोर करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सबकुछ हो रहा है, जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़े समझी जा रही है!**

*एक साल के अंदर देश में कई दंगे हो गए। पहले हरियाणा के नूंह, यूपी के संभल, मप्र के इंदौर के महू अब महाराष्ट्र के नागपुर में जरा सी बात या कहें अफवाह के चक्कर में दो समुदायों में दंगे हो गए कई लोग असमय काल के गाल में समा गए। इनमें से ज्यादा राज्य बीजेपी शासित हैं। विपक्ष तो इन दंगाओं को सरकार प्रायोजित बता रहा है। ये सब जांच का विषय है। पर कुल मिलाकर आमजन तो बस यही सोच रहा है कि ये दंगे कब रूकेंगे। इस बार आरएसएस मुख्यालय के लिए मशहूर नागपुर शहर ही इन दंगों की आग से धधक उठा। टीवी पर जो आग की उठती लपटें दिखीं, घायल लोग व पुलिस वाले दिखे, क्षतिग्रस्त व जले वाहन नजर आए, इसके गम्भीर मायने हैं। सवाल है कि क्या यह आरएसएस और उसके अनुसांगिक संगठनों को देश-दुनिया में बदनाम करने की सियासी साजिश है? क्या हमारे देश के समुदाय विशेष को आइएसआइ लगातार भड़का रही है जिससे वो निरंतर हिंसक होते जा रहे हैं और पाकिस्तान-बंगलादेश से सहानुभूति रखते हुए उन्हीं जैसा व्यवहार करने लगे हैं?*

*सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुन: कमजोर करने की साजिश के तहत अंतराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सबकुछ हो रहा है, जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़े समझी जा रही है! इसी के साथ यह सवाल भी पुन: प्रासंगिक हो गया कि आखिर ब्रेक के बाद होने वाली नागपुर जैसी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं कैसे थमेंगी? आखिर इन जैसी घटनाओं को रोकने में प्रथमदृष्टया हमारा पुलिस प्रशासन असहाय क्यों प्रतीत होता है और फिर घटना के बाद सक्रिय होकर स्थिति को काबू में करता है? सवाल यह भी है कि आखिर क्यों पुलिस बल की तमाम रणनीति फेल हो जाती है जिसकी कीमत इसके अधिकारियों-जवानों के साथ-साथ उन मेहनतकश लोगों को भी चुकानी पड़ती है जो अपने कार्यवश सड़क पर होते हैं या प्रभावित क्षेत्र से गुजरते हैं? प्रश्न यह भी है कि समय रहते ही पत्थर, ईंट-रोड़े छतों पर जमा होने की सूचना पुलिस को क्यों नहीं मिल पाती है? क्या हमारा खुफिया तंत्र बार बार विफल हो रहा है या उसकी सूचना पर सही प्रशासनिक फैसले नहीं हो पाते हैं? यह सब कुछ प्रशासन को बताना चाहिए, क्योंकि ब्रेक के बाद देश में होने वाली सांप्रदायिक,जातीय,क्षेत्रीय हिंसा व आगजनी की खबरें हर किसी को परेशान करती हैं। लिहाजा इस बारे में पुलिस जनजागृति कार्यक्रम करती रहे और घटना के पश्चात इतनी कड़ी कार्रवाई करे, ताकि फिर कहीं और किसी के सिर उठाने की नौबत ही नहीं आए।*

**(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)**

# क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान को हो संवाद की पहल

□□□ गुरबचन जगत

इस सदी के पहले डेढ़ दशक के दौरान मुझे दक्षिण और उत्तर-पूर्वी भारत का व्यापक दौरा करने का अवसर मिला था। इससे पहले,जम्मू-कश्मीर में उथल-पुथल भरे कुछ वर्षों के दौरान वहां रहने का भी मौका मिला था और बेशक पंजाब तो मेरा गृह राज्य है ही और यही वह सूबा है जहां पर 1966 में बतौर आईपीएस मेरी सेवाएं शुरू हुई थीं। यह इस महान राष्ट्र में मेरे दायरे की विहंगम दृश्यावली है और अकसर मैं इसकी विशालता पर विस्मित हुआ करता हूं। लगभग पांच दशकों की सरकारी सेवा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में दौरा-निरीक्षण, लोगों से हुआ मेल-जोल 'विविधता में एकता' के पुराने सिद्धांत को समृद्ध परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और संविधान के अनुच्छेद 15 में अंतर्निहित सिद्धांत की बदौलत हमारे राष्ट्र को मिले संतुलन का मैं गवाह हूं। पुलिस में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने यह उस तबाही को भी देखा है जो निहित स्वार्थों द्वारा पुरानी विभाजन रेखाओं को उभारने से बन सकती है।

इन दिनों राष्ट्रीय मीडिया पर दक्षिण भारत की हलचल की खबरें खूब छाई हुई हैं और राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक गलियारों में भी यह गर्मागर्म बहस का विषय है। इस विवाद की हालिया वजह 2026 में होने वाली नई जनगणना के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का अपेक्षित परिसीमन है। अन्य कारकों में समान नागरिक संहिता, नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, हिंदी थोपने की आशंका, संघीय ढांचे को कथित रूप से कमजोर करना और केंद्र सरकार से राज्यों को अपर्याप्त धन का प्रवाह है। दक्षिणी राज्यों को लगता है, और शायद यह सही भी है, समग्र विकास सूचकांकों में वे मध्य और उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में कहीं अधिक आगे हैं, विशेष रूप से आईटी क्षेत्र, विनिर्माण, फार्मास्युटिकल्स, मानव संसाधन विकास, उच्च तकनीकी और स्कूली शिक्षा में। उनकी एक बड़ी संख्या अनिवासी भारतीयों की भी है, जो विदेशों से राष्ट्रीय कोष में अरबों डॉलर जोड़ते हैं।

दक्षिण भारत का समुद्री मार्ग से खाड़ी एवं अन्य देशों के साथ व्यापार का समृद्ध इतिहास रहा है, जो उन्हें व्यापार और विस्तारित परिवारों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपस में काफी जोड़कर रखता है। आज बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई अग्रणी ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स हैं, और उन्हें अपने यहां बड़ी संख्या में कामगार

प्रवासी समुदाय और सफेदपोश नौकरियां मुहैया करवाने पर गर्व है। उन्हें डर यह है कि आगामी परिसीमन उनके राजनीतिक और वित्तीय भविष्य की जड़ों को काट देगा। शिक्षा ने दक्षिण भारत को परिवार नियोजन के लाभों से जागरूक किया और उन्होंने आबादी नियंत्रण में काफी सफलता भी प्राप्त की है। यदि परिसीमन की वर्तमान प्रक्रिया को अंजाम दे दिया जाता है तो संसद में वहां से आने वाली कुल सीटों का प्रतिशत घट जाएगा और इसके मुख्य लाभार्थी यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र होंगे। इन दिनों इस विषय पर खुलकर कहा जा रहा, लेकिन जब मैं दक्षिण भारत में कुछ बैठकों में भाग लेने जाता था तब नौकरशाही के स्तर पर इस मामले पर बात दबी आवाज़ में की जाती थी। उनका डर यह था कि शिक्षा, नियंत्रित जनसंख्या, बेहतर संस्थागत और शैक्षिक बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान के बावजूद, संख्या के आधार से वे कभी राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थिति में नहीं रह पाएंगे। यह बात बिना लाग-लपेट कही जाती थी, बाकी आप पर छोड़ दिया जाता था कि अपने निष्कर्ष खुद निकालें। केन्द्र के साथ खुले संवाद के अभाव में, धीरे-धीरे राजनेता सार्वजनिक मंचों पर आकर अब वह सब कहने लगे हैं, जो पहले अनकहा रहा। उन्हें परिसीमन नहीं चाहिए, वे समान नागरिक संहिता नहीं चाहते, वे नहीं चाहते कि हिन्दी उनपर थोपी जाए, बल्कि वे केंद्र से ज्यादा धन और राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर अधिक हैसियत चाहते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या कोई उनसे इस सिलसिले में वार्ता कर रहा है? यह सरकार का कर्तव्य होता है कि संभावित समस्या का पूर्वानुमान लगाए और सुनिश्चित करे कि पुराने और नए विवादों की बारीक दरारें चौड़ी खाई में परिवर्तित न होने पाएं।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि क्षेत्रीय राजनीति पर द्रविड़ आंदोलन का हमेशा से तगड़ा साया रहा है और डीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके, सभी इसी आंदोलन की उपज हैं। फिलहाल पांच प्रमुख दक्षिणी राज्य (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र) के पास संसद की कुल 543 सीटों में से 129 सीटें हैं, जो कुल राष्ट्रीय वोटर संख्या के महज 23.7 फीसदी का प्रतिनिधित्व करती हैं। जबकि इसकी तुलना में, चार उत्तरी सूबे (यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश) जनगणना के हिसाब से सबसे अधिक लाभ ले रहे हैं।

# बलूचिस्तानी की आज़ादी के लिए तेज हुआ संघर्ष

□□□ डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

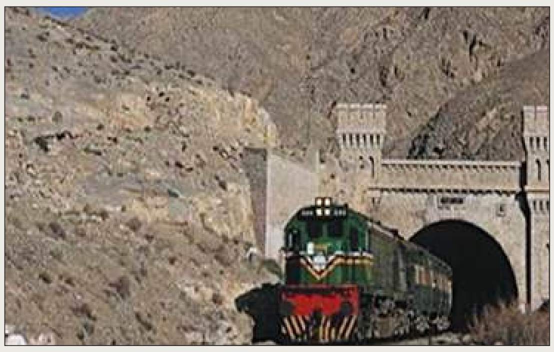

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने मिलकर पाकिस्तान और वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलूच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है। मकसद बलूचिस्तान की आजादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी है। इन संगठनों ने निर्णय लिया है कि पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और अपने अभियानों को और तेज करना होगा। गत 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छी जिले के आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है।

यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी, जिसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल मार्ग पर 17 सुरंगे हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए। पाकिस्तान इस घटना के बाद से दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है। गत 13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत अलगाववादियों की मदद कर रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकवादी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा लगाए गए ये निराधार आरोप हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में असफल दिखी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की। जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना अभी उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार डाला। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक, 90 सैनिकों को मार डाला गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों और दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रक्षक मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार डाला।

दरअसल, बलूच अपनी आज़ादी के लिए अभियान चला रहे हैं। सन 1947 से पहले ही बलूचिस्तान में भी आज़ादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त, 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे, जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था। बाद में जिन्ना इससे पलट गए, लेकिन कलात के खान ने 12 सितम्बर, 1947 को बलूचिस्तान को आज़ाद देश घोषित कर दिया। 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तानी सेना वहां घुस गई और इसे अपने आधिपत्य में ले लिया। इसके बाद सन 2000 तक बलूचियों ने चार बार पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विद्रोह किया, लेकिन हर बार इसे दबा दिया गया। सन 2005 में अकबर बुगती के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया। 26 अगस्त, 2006 को बुगती और उनके साथियों की हत्या कर दी गई। बुगती के बाद बलूच नेता गिरी को भी मार दिया गया। इसके बाद 2009 से वहां के लोगों को गुप्त रूप से निशाना बनाना शुरू किया गया। तब से अब तक बड़ी संख्या में बलूचों को या तो मार दिया गया या फिर उन्हें गायब कर दिया गया।

बलूच विद्रोहियों की शुरुआत से यही मांग रही है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान को खाली कर उनके सभी नेताओं को बिना शर्त रिहा कर दिया जाए। इसके अलावा, बलूचिस्तान में चल रहे चीन के सभी प्रोजेक्ट बंद कर दिए जाएं। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। यह पाकिस्तान के राजस्व का प्रमुख स्रोत है। इस इलाके में धातुओं के विशाल भंडार हैं। आधे पाकिस्तान की गैस आपूर्ति यहीं से होती है। बलूचिस्तान के लोग इसे अपने संसाधनों की लूट बताते हैं। बलूचिस्तान, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का प्रमुख हिस्सा है, जो बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक भाग है। बलूचिस्तान में ही ग्वादर बंदरगाह है, जिसका विकास चीन के हाथों में है। बलूच नाराज हैं और विरोध में आंदोलन चला रहे हैं। वहीं पाकिस्तान की सैन्य ताकत और सुरक्षा बलों की स्थिति दिन-प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है।

# मेहमानों के लिए बनाएं पापड़ की झोलदार सब्जी

## उंगलियां चाटने पर मजबूर हो जाएंगे लोग

भारतीय रसोई का जादू ही कुछ ऐसा है कि यहां हर छोटी-बड़ी चीज को एक अनोखे स्वाद के साथ पेश किया जा सकता है। अगर आपके घर में अचानक मेहमान आ जाएं और आप उन्हें कुछ ऐसा खिलाना चाहते हैं जो न सिर्फ स्वादिष्ट हो बल्कि थोड़ा अनोखा भी लगे, तो पापड़ की झोलदार सब्जी एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह डिश न केवल बनाने में आसान है, बल्कि इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि हर कोई उंगलियां चाटने पर मजबूर हो जाएगा।

### सामग्री

4-5 पापड़ (किसी भी प्रकार के, जैसे मूंग दाल या उड़द दाल के पापड़), टमाटर (बारीक कटे हुए), 1 प्याज (बारीक कटा हुआ), 2 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), इंच अदरक (बारीक कटा हुआ), 2-3 लहसुन की कलियां (बारीक कटी हुई), 1/2 कप दही, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच राई (सरसों के बीज), 1/2 छोटा चम्मच हींग, 2 बड़े चम्मच तेल, नमक स्वादानुसार, ताजा धनिया पत्ती (गार्निशिंग के लिए)।

### विधि

सबसे पहले पापड़ को तोड़कर छोटे-छोटे टुकड़ों में कर लें। इन्हें तलने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ये सब्जी में पकने के दौरान नरम हो जाएंगे। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। गर्म होने पर इसमें जीरा और राई डालें। जब ये चटकने लगें, तो हींग डालें। कड़ाही में बारीक कटा हुआ प्याज डालें और इसे सुनहरा होने तक भूनें। फिर इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से भूनें। अब इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं। टमाटर के पूरी तरह से पक जाने पर हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब इसमें दही डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। ध्यान रखें कि दही फटने न पाए, इसलिए इसे धीरे-धीरे डालें और लगातार चलाते रहें। अब इसमें पापड़ के टुकड़े डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। पापड़ को नरम होने दें और सब्जी के साथ मिलने दें। आखिर में, गरम मसाला डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। सब्जी को 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें ताकि पापड़ के टुकड़े नरम हो जाएं और सब्जी का स्वाद अच्छी तरह से मिल जाए। सब्जी को गैस से उतारें और ताजा धनिया पत्ती से गार्निश करें। गर्मागर्म पापड़ की झोलदार सब्जी को चावल या रोटी के साथ सर्व करें।

# घर पर बनाएं अचारी पनीर

अचारी पनीर, जैसा कि नाम से ही साफ है, अचार के स्वाद से भरपूर एक डिश है। इसमें पनीर को अचार के मसालों के साथ पकाया जाता है, जिससे इसे एक अनोखा और तीखा स्वाद मिलता है। यह डिश न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। अगर आपको अचार का स्वाद पसंद है, तो यह डिश आपके लिए परफेक्ट है।

### सामग्री

250 ग्राम पनीर, 2 टमाटर, 1 प्याज, 1 इंच अदरक, 2 हरी मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच धनिया पाउडर, 1/4 चम्मच गरम मसाला, 1/4 चम्मच मेथी दाना, 1/4 चम्मच राई, 1/4 चम्मच जीरा, 1/4 चम्मच कलौंजी, 1/4 चम्मच सौंफ, 1/2 कप दही, 2 बड़े चम्मच तेल, नमक स्वादानुसार, हरा धनिया बारीक कटा हुआ।

### विधि

सबसे पहले एक पैन में मेथी दाना, राई, जीरा, कलौंजी और सौंफ डालकर धीमी आंच पर भून लें। जब मसाले चटकने लगे तो गैस बंद कर दें और मसालों को ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद मसालों को मिक्सर में दरदरा पीस लें। इतना करने के बाद पनीर को एक इंच के टुकड़ों में काट लें। टमाटर, प्याज, अदरक और हरी मिर्च को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में तेल गरम करें और उसमें अचारी मसाला डालकर भून लें। जब मसाले भुन जाएं तो टमाटर-प्याज का पेस्ट डालकर भून लें। जब मसाला तेल छोड़ने लगे तो हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर डालकर भून लें। दही डालकर अच्छी तरह मिला लें और 5 मिनट तक पकाएं। पनीर के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला लें और 5 मिनट तक पकाएं। गरम मसाला और नमक डालकर मिला लें। बस फिर हरा धनिया डालकर गार्निश करें।

## हंसना मना है

गधा- यार मालिक बहुत मारते है? कुत्ता- घर छोड़ दे? गधा- नहीं यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दूंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

1 छोटा बच्चा रोड पर पोट्टी कर रहा था, पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जब उसे ले जाने लगे तो बच्चा बोला, ओ कानून के रखवालों, सबूत तो ऊठा लो।

पापा- नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा- मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नहीं कर सकते।

सरदार ने सर्दी में AC लगवाया, किसीने पूछा- इतनी सर्दी में AC? सरदार- ओये मैंने उल्टा लगवाया, गरम हवा अंदर और ठंडी हवा बाहर जायेगी!

आदमी भगवान से- ज़मीन से आसमान तक रोड बना दो, भगवान - असंभव कुछ और मांगो, आदमी - वाईफ को आज्ञाकारी और अकल्मन्द बना दो! भगवान - रोड सिंगल बनाउ या डबल?

## कहानी — महिलामुख हाथी

बहुत समय पहले राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में महिला मुख नाम का एक हाथी रहता था। महिला मुख हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। चोर अक्सर अगले दिन की योजना भी बनाते कि किसे और कैसे लूटना है। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। महिला मुख हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। कुछ दिन बाद महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए, महिला मुख ने फैसला लिया कि अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत पर वार किया और महावत को पटक-पटक कर मार डाला। इतने अच्छे हाथी की ऐसी हरकत देखकर सारे लोग परेशान हो गए। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। इस तरह बिगड़ैल हाथी ने चार महावत कुचल दिए। महिला मुख के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण था यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। जब राजा को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने एक बुद्धिमान वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। राजा ने वैद्य जी से आग्रह किया कि जितनी जल्दी हो सके महिला मुख का इलाज करें, ताकि वो राज्य में तबाही का कारण नहीं बन सके। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

**वृषभ**

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**मिथुन**

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**कर्क**

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**सिंह**

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

**कन्या**

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**तुला**

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। बेचैनी रहेगी।

**वृश्चिक**

नई आर्थिक नीति बनेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

**धनु**

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रमाद न करें।

**मकर**

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

**कुम्भ**

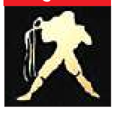

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

**मीन**

आज माता का स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

# 30 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी सलमान खान की 'सिकंदर'

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म सिकंदर काफी चर्चा में है। फिल्म के मेकर्स उत्साह बनाए रखने के लिए नए गाने रिलीज कर रहे हैं। फिल्म को इस साल ईद पर रिलीज करने की योजना बनाई गई है, लेकिन निर्माताओं ने इसकी सटीक तारीख का खुलासा नहीं किया था। हालांकि, आखिरकार अब इंतजार खत्म हो चुका है। अब आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। खुद सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया पर सिकंदर का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया। सिकंदर 30 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं, जारी किए गए नए पोस्टर में सलमान खान बेहद दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं। जिसमें वह तलवार पकड़े नजर आ रहे हैं।

सलमान खान ने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 30 मार्च को दुनिया भर के सिनेमाघरों में मिलते हैं। सिकंदर। सलमान खान की पोस्ट पर सभी प्रशंसकों ने खूब प्यार बरसाया और इसकी रिलीज डेट का खुलासा करने के लिए खुशी भी जाहिर की। एक प्रशंसक ने लिखा, बॉलीवुड के सिकंदर, 30 मार्च 2025 के ब्लॉकबस्टर सिनेमाघरों का सबसे बड़ा दिन। एक अन्य ने लिखा, बॉलीवुड पर फिर से राज करो भाई। वहीं कई फैंस ने फिल्म देखने के लिए उत्साह जाहिर किया। हाल ही में, टाइटल ट्रैक सिकंदर नाचे भी रिलीज किया गया था। 27 फरवरी, 2025 को रिलीज हुए सिकंदर के टीजर ने पहली ही फ्रेम से दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। फिल्म के दो टीजर और तीन गाने पहले ही रिलीज हो चुके हैं। अब दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार है, जो उम्मीद है कि इस हफ्ते के अंत तक रिलीज कर दिया जाएगा। सलमान खान और एआर मुरुगादॉस ने सिकंदर के लिए पहली बार साथ काम किया है। सलमान ने अपने किक के निर्देशक साजिद नाडियाडवाला के साथ फिर हाथ मिलाया है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, सत्यराज और प्रतीक बब्बर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है।

# 15 साल बाद सिनेमा में फिर वापसी करेंगी शर्मिला टैगोर

शर्मिला टैगोर बॉलीवुड की सबसे पापुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। 15 साल बाद एक्ट्रेस बंगाली इंडस्ट्री में वापसी करने के लिए तैयार हैं। मां बेटी के एक अनोखे रिश्ते पर फिल्म बनाई गई है, जिसकी स्क्रीनिंग दिल्ली में आयोजित हुए फिल्म फेस्टिवल में रखी गई थी। आइए जानते हैं इस मूवी में शर्मिला टैगोर की भूमिका के बारे में।

दिल्ली में आयोजित व्यू वर्ल्ड फिल्म फेस्टिवल में शर्मिला टैगोर की फिल्म पुरातन- द एंशिएंट की स्क्रीनिंग रखी गई थी। फिल्म को निर्देशित ऋतुपर्णा सेनगुप्ता ने किया, जो बंगाली इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। उन्होंने बताया दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर काफी लंबे अंतराल के बाद बंगाली भाषा के सिनेमा में वापसी कर रही हैं। वह भी हमारे इस फिल्म के जरिए, जो की बहुत खुशी की बात है। वही उन्होंने आगे बताया कि वह फिल्म को निर्देशित करने के साथ इसमें वह एक कलाकार की भूमिका भी निभा रही हैं, जिस वजह से यह फिल्म उनके लिए और खास है।

ऋतुपर्णा सेनगुप्ता ने इस फिल्म पर बात करते हुए बताया कि यह फिल्म मां बेटी के अनोखे रिश्ते को दर्शाते हुए बनाया गया है, जिसमें रितिका अपनी मां का 80वां जन्मदिन मनाने के लिए अपने पति राजीव के साथ अपने पैतृक घर लौटती हैं। अपने घर पहुंचने के बाद उसे पता चलता है कि उसकी मां वैसी नहीं हैं। शुरू में इस एहसास से झटका लगने के बाद, वह धीरे-धीरे अपनी स्थिति और इसकी अपरिवर्तनीयता को स्वीकार करने लगती है। अपनी मां के माध्यम से वह जीवन और अस्तित्व के प्रति अपना नजरिया बदलने लगती है। जो एक नियमित और अनुष्ठानिक घटना लगती थी, वह मानव अस्तित्व और कैसे अतीत हमारी वर्तमान स्थिति को निर्धारित करता है, की एक बड़ी आध्यात्मिक जांच में बदल जाती है फिल्म ने कमजोर होती याददाश्त, अतीत को संजोने, अप्रचलन के डर और सामंजस्य जैसे सवालों को बड़ी ही चतुराई से एक भयावह, मार्मिक कहानी में पिरोया है।

## बॉलीवुड | मन की बात

# शादी में पारंपरिक भूमिकाएं निभाना जरूरी नहीं : किम

किम शर्मा ने हाल ही में शादी को लेकर सामाजिक दबाव पर अपने विचार साझा की। अभिनेत्री को लगता है कि शादी में मानदंडों का पालन करना और पारंपरिक भूमिकाएं निभाना पूरी तरह से जरूरी नहीं है। आइए विस्तार से जानते हैं उन्होंने इसे लेकर क्या कहा? एक इंटरव्यू में किम ने शादी को एक कॉन्सेप्ट बताया। बातचीत के दौरान मजाक में जब यह पूछा गया कि एक व्यक्ति कितने लोगों से शादी कर सकता है, तो इस पर अभिनेत्री ने कहा कि जितने लोगों से आप चाहें। कुणिका सदानंद के यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा, यह सामाजिक है, यह एक दबाव है कि एक व्यक्ति के साथ रहें, यह करे, उनकी रोटी बनाएं, वह काम करे, आपके बच्चे हैं, टिफिन बनाएं। मैं कहती हूं बॉस! यह ठीक है जैसे कि अगर आप कुछ सालों तक अनुभव करना चाहते हैं तो करें। अगर आप इसे अपने पूरे जीवन के लिए करना चाहते हैं तो करें। अगर आप इसे नहीं करना चाहते हैं तो ना करें। जब अभिनेत्री से शादी का अनुभव करने और बच्चे पैदा करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने असहमति में अपना सिर हिला दिया। अभिनेत्री ने कहा कि बच्चे उनकी योजना का हिस्सा नहीं हैं, जबकि उन्होंने मां बनने की इच्छा से इनकार किया। जब उनसे बुढ़ापे में अकेले होने के डर के बारे में पूछा गया तो किम ने जवाब दिया, मैं देखना चाहती हूं कि कौन से बच्चे अपने माता-पिता के बुढ़ापे में पैर दबा रहे हैं। सचमुच, ऐसे बहुत कम बच्चे हैं जो अपने माता-पिता के लिए मौजूद हैं। माता-पिता ने अपना पूरा जीवन अपने बच्चों को दे दिया है और जब उनका समय आता है तो बच्चे कहते हैं मम्मी मैं बिजी हूं। मैं बाहर जा रहा हूं। मुझे मत बताओ। मुझसे मत पूछो। मेरे पति। मेरे बच्चे। किम ने अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि माता-पिता एक बच्चे के जीवन में आने का माध्यम हैं और बच्चों का जीवन लेन-देन नहीं है। किम ने कहा, मैं यह करूंगी और तुम यह करो। मैं तुम्हें इसलिए रख रही हूं ताकि मैं अकेली ना रहूं, यह एक व्यक्ति को इस दुनिया में लाने का बहुत ही विकृत तरीका है। किम शर्मा ने साल 2000 में आई फिल्म 'मोहब्बतें' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने तुमसे अच्छा कौन है, फिदा, नेहले पे देहला और लूट जैसी फिल्मों में काम किया। अभिनेत्री को आखिरी बार लूट में देखा गया था।

# गजब : 43 हजार रुपये में बिका एक अंडा इसकी खासियत से मिली इतनी कीमत

बाजार में मुर्गी और बत्तख के अंडे आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। ये अंडे 7 रुपए से लेकर 15 रुपए तक की कीमत में मिल जाते हैं। लेकिन क्या आपने किसी ऐसे अंडे के बारे सुना है, जिसकी कीमत 43 हजार रुपए है। जी हां ब्रिटेन में एक अंडा 43 हजार रुपए में नीलाम हुआ है। अब सवाल यह है कि इस अंडे में ऐसी क्या खासियत थी जो इसका दाम इतना ज्यादा लगाया गया।

ब्रिटेन के फेंटॉन फार्म में काम करने वाले लोग तब चौंक गए जब उन्हें एक ऐसा अंडा मिला, जो पूरी तरह गोल था। आपने अब तक अंडाकार आकार के अंडे देखे होंगे। दरअसल, अंडा पूरी तरह गोल नहीं होता, बल्कि ऊपर-नीचे से ज्यादा उभरा रहता है और बीच से पतला रहता है। मगर जिस अंडे की हम बात कर रहे हैं, वो पूरी तरह गोल है। इस वजह से अंडे को लाखों में एक माना जा रहा है। जब इसकी नीलामी हुई तो ये 43 हजार रुपये से ज्यादा दाम में बिका। इस नीलामी में जो कमाई हुई, उसे डेवॉन रेप क्राइसेस ऑर्गनाइजेशन को दान दे दिया गया। फार्म में काम करने वाली एक महिला, एलिसन ग्रीन का कहना है कि अपने 3 साल के करियर में और 30 हजार अंडों को संभालने के दौरान उन्हें कभी ऐसा गोल अंडा देखने को नहीं मिला। उन्हें ये अंडा जनवरी में मिला था। ये सुनिश्चित करने के लिए कि अंडा खराब न हो जाए, टीम ने उसे नमक में सहेजकर रखा था। ग्रीन समझ गई थीं कि जो भी इस अंडे को खरीदेगा, वो निश्चित तौर पर उसे खाएगा नहीं क्योंकि ये बेहद दुर्लभ है। उन्हें लगा था कि अंडा कम दाम में बिकेगा तो वो खुद ही उसे खरीद लेंगी। पर जब वो इतनी ज्यादा कीमत में बिक गया तो उनके होश उड़ गए। वैसे ये पहली बार नहीं है जब किसी को इस तरह पूर्ण रूप से गोल अंडा देखने को मिला हो। इससे पहले भी एक ऑस्ट्रेलियाई महिला को 2023 में पूरी तरह से गोल अंडा देखने को मिला था।

## अजब-गजब | इस परिवार को देखने आते हैं टूरिस्ट

# इस व्यक्ति ने की थी 39 शादियां, पैदा किए थे 94 बच्चे, एक साथ रहती हैं सभी पत्नियां

आपने अक्सर देखा-सुना होगा कि किसी शख्स ने एक से अधिक शादी कर ली होती है। ऐसे लोगों की लाइफ में मुसीबतें काफी अधिक होती है। जहां आम इंसान से एक बीवी नहीं संभाली जाती, वहीं कई बीवियों को रखना वाकई चैलेंजिंग होता होगा। लेकिन कुछ मर्द कई बीवियों को मैनेज करने में एक्सपर्ट होते हैं। ऐसे ही एक एक्सपर्ट थे भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम में रहने वाले जिओना चाना।

जिओना ने एक या दो नहीं, कुल 39 शादियां कर रखी थी। लेकिन सिर्फ ये शादियां ही आपको हैरान करने के लिए काफी नहीं है। इसमें सबसे अधिक हैरानी की बात ये थी कि जिओना की ये सारी बीवियां एक ही घर में रहती थी वो भी एक साथ। इन्हें देखकर ऐसा लगता ही नहीं था कि ये सौतनें हैं। बहनों की तरह एक साथ ये सभी महिलाएं प्यार से रहती थीं। अब पति की मौत के बाद भी सारी सौतनें एक ही छत के नीचे रह रही हैं।

हम बात कर रहे हैं मिजोरम के जिओना चाना की। जिओना के नाम विश्व की सबसे बड़ी फैमिली का मुखिया होने का रिकॉर्ड दर्ज है। हालांकि, 2021 में जिओना की मौत हो गई थी। उसने अपने जीवनकाल में कुल 39 शादियां कीं, जिससे उसके 94 बच्चे हुए। उसका पूरा परिवार एक ही घर में रहता था। जहां दो सौतनों को आपस में लड़ते-झगड़ते देखा जाता है, वहीं जिओना की सारी बीवियां एक ही छत के नीचे बड़े प्यार से रहती थीं। ऐसा लगता ही नहीं था कि इन्हें अपना पति बांटने का थोड़ा सा भी दुख था।

39 बीवियों को रखने के लिए जुआना ने सौ कमरों का एक आलीशान घर बनवाया था। इसमें उसके सारे बच्चे भी साथ रहते थे। जहां कुछ लोगों का कहना है कि जुआना के 89 बच्चे थे वहीं कई जगह ये आंकड़ा 94 है। साथ ही उसके 36 नाती-पोते भी थे। इस घर का नाम चुआर थान रन है, जिसका मतलब होता है नए जमाने का घर। आपको बता दें कि जुआना की वजह से राज्य में कई टूरिस्ट्स भी आते थे। उन्हें इस बात को जानकर हैरानी होती थी कि भला इतनी सारी सौतनें एक साथ एक ही घर में कैसे रह सकती है। लेकिन जब लोग यहां आते तो सौतनों के बीच का प्यार देख हैरान रह जाते थे।

# बाबासाहेब का सपना आज भी अधूरा : राहुल

## नेता प्रतिपक्ष बोले- उनकी लड़ाई हम पूरी ताकत से लड़ेंगे

» जातिगत जनगणना असमानता की सच्चाई लाएगा बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का सपना आज भी अधूरा है और बराबरी तथा सम्मान उनकी लड़ाई को कांग्रेस पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व प्रमुख और शिक्षाविद् सुखदेव थोराट के साथ आंबेडकर के 1927 के 'महाड़ सत्याग्रह' के बारे में बातचीत का एक वीडियो अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ''98 साल पहले शुरू हुई हिस्सेदारी की लड़ाई जारी है। 20 मार्च, 1927 को बाबासाहेब आंबेडकर ने महाड़ सत्याग्रह के ज़रिए जातिगत भेदभाव को सीधी चुनौती दी थी। यह केवल पानी के अधिकार की नहीं, बल्कि बराबरी और सम्मान की लड़ाई थी।

उन्होंने कहा, जाने-माने शिक्षाविद, अर्थशास्त्री, दलित विषयों के जानकार और तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण पर बनी अध्ययन समिति के सदस्य प्रोफेसर थोरात से इस सत्याग्रह के महत्व पर चर्चा की। इस दौरान दलितों की शासन, शिक्षा, नौकरशाही और संसाधनों तक पहुंच के लिए अब भी जारी संघर्ष पर भी हमने विस्तार से बातचीत की। गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना इसी असमानता की सच्चाई को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जबकि इसके विरोधी इस सच्चाई को बाहर आने देना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''बाबासाहेब का सपना आज भी अधूरा है। उनकी लड़ाई सिर्फ अतीत की नहीं, आज की भी लड़ाई है। हम इसे पूरी ताक़त से लड़ेंगे।

### राहुल के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले की सुनवाई टली

कांग्रेस नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में गुरुवार को सुल्तानपुर की एमपीएमएलए विशेष कोर्ट में सुनवाई टल गई। दीवानी न्यायालय में होली मिलन कार्यक्रम के आयोजन के कारण अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे जिसके चलते सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने इस मामले में अगली तारीख 3 अप्रैल 2025 नियत की है। इस दिन राहुल गांधी के अधिवक्ता अगले गवाह से जिरह करेंगे। यह मामला भारतीय जनता पार्टी नेता विजय मिश्रा द्वारा 2018 में दायर किया गया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने कर्नाटक चुनाव के दौरान अभद्र टिप्पणी की थी, जिससे उनकी भावनाएं आहत हुईं। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद राहुल गांधी ने फरवरी 2024 में कोर्ट में सरेंडर किया था और उन्हें जमानत मिल गई थी। 26 जुलाई 2024 को राहुल ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया था।

### कांग्रेस की सामंती मानसिकता उजागर : केसवन

भारत की शिक्षा प्रणाली में निचली जातियों के पक्ष में न होने के राहुल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा, योग्यता पर राहुल गांधी का चौंकाने वाला बयान कांग्रेस की भाई-भतीजावादी और सामंती मानसिकता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। वंशवादी कांग्रेस ने हमेशा एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों से संबंधित मेधावी नेताओं को अपमानित किया है, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में प्रगति की है। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष और शिक्षाविद सुखदेव थोराट के साथ बातचीत में राहुल ने कहा योग्यता की एक पूरी तरह से दोषपूर्ण अवधारणा है, जहां मैं अपनी सामाजिक स्थिति को अपनी क्षमता के साथ भ्रमित करता हूं।

### हरियाणा में भाजपा शासन में विकास पर 'पूर्ण विराम' लगा : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में विकास पर 'पूर्ण विराम' लग गया है, जबकि कर्ज, अपराध और भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है।आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता ने हाल ही में हुए विधानसभा और नगर निगम चुनावों में कांग्रेस पर पहले ही 'पूर्ण विराम' लगा दिया है। सैनी ने विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश ने तीव्र प्रगति की है। वहीं, हुड्डा ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने राज्य को 5,16,007 करोड़ रुपये के कर्ज में डुबो दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, 1966 से 2014-15 तक राज्य पर केवल 70,000 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 3,52,819 करोड़ रुपये हो गया है।

# कश्मीर में भाजपा शराब को दे रही बढ़ावा: मेहराज मलिक

» विधानसभा में तकरार-एलजी को कहा माफिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। डोडा से विधायक मेहराज मलिक ने भाजपा पर शराब को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल को माफिया कहकर विवाद उठाया। उनके इस बयान पर भाजपा सदस्य भड़क गए और सदन में तीखी नोकझोंक हुई। विधानसभा में भाजपा सदस्य बलवंत सिंह मंकोटिया ने मेहराज मलिक के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक ने हिंदू धर्म के खिलाफ टिप्पणी की है और उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान मंकोटिया ने माइक भी सदन में फेंक दिया, जिससे सदन में हलचल मच गई।

सदन में बिजली के बकाया बिलों के मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष दोनों पक्ष एकजुट नजर आए। इस दौरान दोनों पक्षों ने इस मुद्दे का समाधान करने के लिए एक माफी देने की मांग की। विधानसभा में एक और विवाद उठते हुए 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में बाहर से आने वाले मेहमानों पर करोड़ों रुपये खर्च करने का मामला जोर पकड़ने लगा। विपक्ष ने इस खर्च को लेकर सवाल उठाए और हाउस कमेटी बनाने की मांग की। वहीं भाजपा के सदस्यों ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार सत्ता में है, और अगर विपक्ष को कोई शिकायत है तो उन्हें मुख्यमंत्री से बात करनी चाहिए।

# जियाउर्रहमान बने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष

» कांग्रेस ने मुस्लिम समाज से जिलाध्यक्ष बनाकर सियासी समीकरण भी साधे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। जिला कांग्रेस कमेटी को लंबे समय बाद अब जिलाध्यक्ष मिल गया है । जिले की राजनीति के तेजतर्रार और कद्दावर युवा नेता को कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस ने करीब दो दशक बाद मुस्लिम समाज से जिलाध्यक्ष बनाकर सियासी समीकरण भी साध दिए हैं। शिकारपुर विधानसभा से पूर्व विधायक प्रत्याशी, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट को कांग्रेस हाईकमान ने जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है । तहसील शिकारपुर के गांव नारऊ निवासी जियाउर्रहमान छात्र और युवा राजनीति का चर्चित चेहरा रहे हैं। बुलंदशहर का जिलाध्यक्ष बनने से कांग्रेसियों में खुशी की लहर है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इनके मनोनयन की घोषणा की है। जियाउर्रहमान 33 वर्ष की उम्र में जिलाध्यक्ष बनने वाले जिले के इतिहास में पहले कांग्रेसी हैं । वहीं, बुलंदशहर का शहर अध्यक्ष रवि लोधी को बनाया गया है। जियाउर्रहमान की शुरुआत छात्र राजनीति से हुई है और उन्होंने अलीगढ़ के डीएस कालेज से लॉ किया है। अलीगढ़ में राजकीय विश्वविद्यालय बनाने का आंदोलन हो या छात्रहितों की लड़ाई वह अग्रणी भूमिका में रहे हैं और पश्चिमी यूपी की छात्र और युवा राजनीति का चर्चित चेहरा है। छात्र जीवन के बाद से ही वह बुलंदशहर कांग्रेस में सक्रिय हैं और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य होने के साथ साथ गत 2022 विधानसभा चुनाव के कांग्रेस के विधायक प्रत्याशी रहे हैं। जिले की राजनीति में जियाउर्रहमान मजबूत और सक्रिय चेहरा हैं।

### 33 वर्ष की उम्र में रचा इतिहास

### छात्र राजनीति से हुई शुरुआत

### हाईकमान के विश्वास पर खरा उतरूंगा

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान एडवोकेट ने कहा है कि हाईकमान ने जो विश्वास जताया है उसपर खरा उतरूंगा और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत करूंगा । उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करेंगे और शोषितों, पीड़ितों और वंचितों की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जियाउर्रहमान नहीं प्रत्येक कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष बना है । उन्होंने कहा कि बूथ और न्याय पंचायत स्तर तक संगठन को खड़ा करेंगे और भाजपा की तानाशाही और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे।

# आईपीएल के पहले मैच पर छाए संकट के बादल

» मैच से पहले उद्घाटन समारोह में मशहूर बॉलीवुड एक्टर बिखेरेंगे जलवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होगी। पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। कोलकाता के ईडेन गार्डस में खेले जाने वाले इस मैच में बारिश विलेन सकती है। ऐसे में दर्शकों का मजा किरकिरा हो सकता है। आईपीएल के 18वें सत्र का पहला मुकाबला बारिश में धुल सकता है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को 90 प्रतिशत तक बारिश की संभावना है।

शाम के वक्त 77 प्रतिशत आर्द्रता रहेगी जबकि हवाएं 22 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेंगी। वहीं ओपनिंग मैच से पहले भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन होगा। बंगाल क्रिकेट संघ ने बताया कि मशहूर बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल और करण औजला अपनी आवाज से समां बांध सकते हैं। इसके अलावा फिल्म अभिनेत्री दिशा पटानी भी अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती दिख सकती हैं। स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि बीसीसीआई ने हमें उद्घाटन समारोह के लिए 35 मिनट का समय दिया है, जिसमें हमें पूरा शो समाप्त करना है। बाकी काम हर साल की तरह ही होगा। उन्होंने कहा कि मैच के सभी टिकट बिक चुके हैं और ओपनिंग के लिए प्रशंसकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। गांगुली ने कहा, हमें उम्मीद थी कि पूरा घर भरा रहेगा।

### कोलकाता में नहीं होगा केकेआर और लखनऊ का मैच

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच छह अप्रैल को खेला जाने वाला आईपीएल मैच कोलकाता में नहीं होगा। इसे गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जा सकता है। दरअसल, पुलिस ने शहर में राम नवमी के अवसर पर होने वाले आईपीएल मैच के लिए सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है। गांगुली ने बताया कि उन्होंने बीसीसीआई को इसकी जानकारी दे दी। उन्होंने कहा- हमने बीसीसीआई को मैच पुनर्निर्धारित करने के लिए सूचित कर दिया है, लेकिन शहर में बाद में खेल पुनर्निर्धारित करने की कोई गुंजाइश नहीं है अब इसे गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जा रहा है।

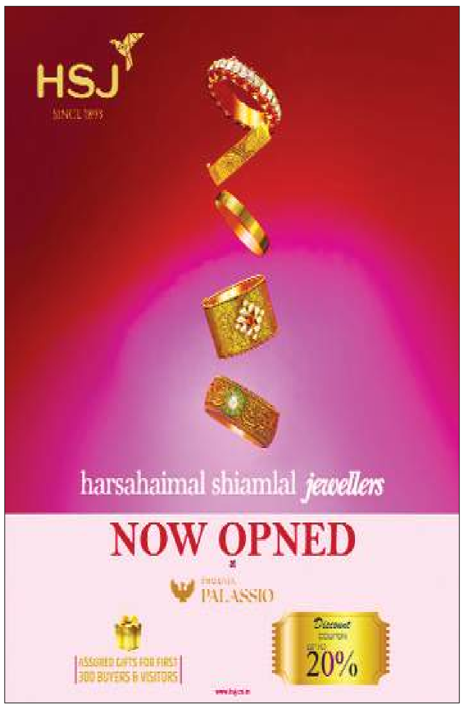

# दिल्ली की महिलाओं को कब मिलेंगे 2500 रुपये : आतिशी

» आम आदमी पार्टी का भाजपा सरकार पर वार, पूछे चार सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वरिष्ठ आप नेता आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए जानना चाहा कि दिल्ली में महिलाओं को महिला समृद्धि योजना के तहत 2,500 रुपये मासिक वित्तीय सहायता कब मिलेगी। राष्ट्रीय राजधानी में सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव के दौरान ये वादा किया था। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने आश्चर्य जताया कि क्या भाजपा सरकार राजधानी में 18 वर्ष से अधिक आयु की लगभग 48 लाख महिलाओं को 2,500 रुपये प्रदान करेगी या विभिन्न शर्तें लगाकर लाभ को 1 प्रतिशत से भी कम तक सीमित कर देगी।

आतिशी ने भाजपा सरकार से चार सवाल पुछे। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा सरकार दिल्ली की 48 लाख से ज्यादा महिलाओं को 2500 रुपये देगी? सरकार की कमिटी बने 12 दिन हो गए, अभी तक उस कमिटी ने क्या फैसला लिया? महिलाओं को 2500 रुपये देने की योजना का रजिस्ट्रेशन कब से शुरू होगा? दिल्ली की महिलाओं के खातों में 2500 रुपये कब से आयेंगे? क्या दिल्ली की बीजेपी की सरकार मोदी जी की गारंटी को जुमला साबित करने जा रही है?

आतिशी ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने 12 दिन पहले एक समिति बनाई थी, जिसने अभी तक कुछ नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि इस योजना के लिए पंजीकरण कब शुरू होंगे और लाभार्थी महिलाओं के खातों में पैसे कब आएंगे?

भाजपा सरकार ने दिल्ली में गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 5,100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस योजना के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंत्रियों की एक समिति बनाई गई है। यह दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के प्रमुख चुनावी वादों में से एक है।

## जमीन पर उतरी है हमारी सरकार, अफसरों से हम काम करवाएंगे : प्रवेश वर्मा

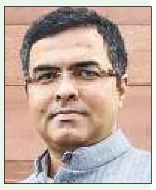

दिल्ली के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि कई मुद्दे हैं। हमने भी तय किया है कि हम मेहनत करने से पीछे नहीं हटेंगे। हम इन अफसरों से काम करवाएंगे। जिन अफसरों ने पिछले 10 साल से काम नहीं किया, दिल्ली की पूरी व्यवस्था चरमरा गई थी, लगभग खत्म होने की कगार पर थी - ऐसे सभी अफसरों से हम काम करवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जमीन पर उतरी है, हमने अफसरों को सख्त निर्देश दिए हैं, लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था को बदलना होगा और हम सभी मुद्दों का समाधान करेंगे। हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पिछले 10 सालों में अधिकारी मोटी चमड़ी वाले हो गए हैं, हम इससे छुटकारा पाएँगे। हम उन सभी से ज़मीन पर काम करवा रहे हैं। मैं भी ज़मीन पर काम कर रहा हूँ। उन्होंने कहा कि हमने नालों का निरीक्षण किया। दिल्ली में नालों के उपचार की हमारी क्षमता कम है, हम क्षमता बढ़ा रहे हैं। मैंने यूपी और हरियाणा जैसे पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी नालों के संबंध में बात की है।

## आप ने सौंपी सौरभ भारद्वाज को दिल्ली की कमान, मनीष सिसोदिया बने पंजाब के प्रभारी

आम आदमी पार्टी ने सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली इकाई का प्रमुख नियुक्त किया। गोपाल राय और पंकज गुप्ता को क्रमशः गुजरात और गोवा का प्रभारी बनाया गया है। अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बैठक के बाय ये फैसला लिया गया है। आप सांसद संदीप पाठक ने कहा ने बताया कि आज पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए। गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है और मुझे छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही पाठक ने बताया कि सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली

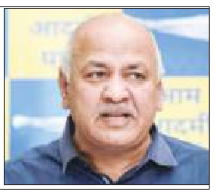

इकाई का प्रमुख और मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया है। दिल्ली आप अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता पार्टी संगठन का विस्तार करना होगी।

# 'कुमारस्वामी के डीएनए में है प्रतिशोध की राजनीति'

» कुमारस्वामी के परिवार द्वारा 14 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण का मामला गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रतिशोध की राजनीति के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकारी अधिकारी केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी से जुड़े अतिक्रमण के मामले में केवल अदालती आदेशों का पालन कर रहे हैं। यह मामला कर्नाटक के रामनगर जिले में कुमारस्वामी के परिवार द्वारा 14 एकड़ जमीन पर कथित अतिक्रमण से संबंधित है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने आरोप लगाया, प्रतिशोध की राजनीति कुमारस्वामी के डीएनए में है। अधिकारियों ने केवल अदालत के आदेश के अनुसार काम किया है। यह मामला कार्यकर्ता एसआर हिरेमठ द्वारा दायर किया गया था। यह प्रतिशोध की राजनीति कैसे है? शिवकुमार ने मैसूर में उनके खिलाफ कुमारस्वामी की टिप्पणी का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, हमने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। यह शिकायत हिरेमठ द्वारा दर्ज कराई गई थी। उन्होंने मेरे खिलाफ भी कई मामले दर्ज कराए हैं। सरकारी अधिकारी बस अपना काम कर रहे हैं, वे अदालत के निर्देश का पालन कर रहे हैं। इसमें कोई बदले की भावना नहीं छिपी हुई है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार कन्नड़ समर्थक संगठनों की ओर से बुलाए गए बंद को प्रोत्साहित नहीं करेगी और प्रशासन उनसे बात करेगा, ताकि उन्हें समझाया जा सके कि यह 'सही तरीका' नहीं है।कन्नड़ समर्थक संगठनों ने 22 मार्च को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। विधान परिषद में शिवकुमार बंद के संबंध में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी के सवाल का जवाब दे रहे थे। नारायणस्वामी ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि उस दिन परीक्षा देने वाले एसएसएलसी (कक्षा 10) के लाखों छात्र प्रभावित हो सकते हैं। विभिन्न कन्नड़ समर्थक संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक छात्र संगठन कन्नड़ ओक्कुटा ने पिछले महीने सीमावर्ती जिले बेलगावी में मराठी न जानने के कारण एक सरकारी बस कंडक्टर पर कथित हमले के विरोध में बंद का आह्वान किया है।

# जो बड़ी अटैची लाता है, उसे ही बनाया जाता है कुलपति : भाटी

» राजस्थान में कुलपति की नियुक्ति पर उठ रहे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाड़मेर। राजस्थान विधानसभा में राजस्थान विश्वविद्यालयों की विधियां (संशोधन) विधेयक पर बहस के दौरान बाड़मेर जिले के शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राज्य के विश्वविद्यालयों की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। इस दौरान भाटी ने कुलपतियों की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

विधानसभा में शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राजस्थान विश्वविद्यालयों की विधियों संशोधन विधेयक पर चर्चा करते हुए विश्वविद्यालय में रिक्त पदों को भरने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन और छात्र संघ चुनाव कराने जैसे विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखीं। भाटी ने कुलपतियों की

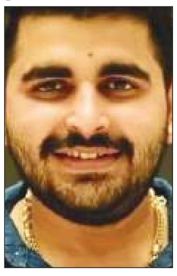

नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आजकल जो बड़ी अटैची लाता है, उसे ही कुलपति बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी की भी रही हो, लेकिन ऐसा होता रहा है।

# बीजेपी अपना सीएम बनाने की साजिश रच रही : कन्हैया

**बिहार : पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा पहुंची सीतामढ़ी, कांग्रेस नेता ने भाजपा पर साधा निशाना**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतामढ़ी। पलायन रोको, नौकरी दो पदयात्रा के तहत कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार सीतामढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने की साजिश रच रही है, ताकि राज्य की संपदा को लूटकर अपने करीबी उद्योगपतियों की तिजोरी भरी जा सके।

कन्हैया कुमार ने कहा, बीजेपी साम, दाम, दंड, भेद का इस्तेमाल कर बिहार की राजनीति को प्रभावित करने में जुटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विदेशों में नालंदा विश्वविद्यालय की प्रशंसा कर रहे हैं, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि इसकी पुनर्स्थापना कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई थी। बीजेपी ने बिहार के विकास के लिए क्या किया है?

## सीएम नीतीश ने बिहार को मजदूरों की फैक्ट्री बनाया

कन्हैया कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी हमला बोला और कहा कि बिहार को मजदूरों की फैक्ट्री बना दिया गया है। उन्होंने कहा, बेरोजगारी इस हद तक है कि लोग पलायन करने को मजबूर हैं। बिहारी शब्द को गाली बनाने वाली सरकार को इस बार के चुनाव में बिहार के नौजवान और छात्र सबक सिखाएंगे। वक्त आ गया है कि बिहार के गौरवशाली इतिहास को बचाया जाए।

## बीजेपी के चुनावी थीम सॉन्ग पर कसा तंज

बीजेपी के चुनावी थीम सॉन्ग पर प्रतिक्रिया देते हुए कन्हैया कुमार ने कहा, पिछले 25 सालों से बिहार को चमकाने की बातें की जा रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। कोविड के दौरान बिहार में चुनाव हुए, अब फिर चुनाव होने जा रहे हैं, मगर बेरोजगार युवाओं को नियुक्ति पत्र तक नहीं दिया गया। बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज कर पुलिस को प्रैक्टिस करवाई जा रही है।

# किसानों का धरना समाप्त, पर आंदोलन जारी रखने का एलान

» आज खुलेगा एनएच-44

» बुलडोजर से कंक्रीट बैरिकेड्स को हटाने का काम जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 माह से चल रहे किसानों के धरने को पंजाब सरकार ने बुधवार रात पुलिस की मदद से हटा दिया। पुलिस ने बुलडोजर चलाकर खनौरी और शंभू बॉर्डर पर बने मंच ढहा दिए और टेंट भी उखाड़ने का काम जारी है। हालांकि किसानों ने आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

दरअसल, किसान यहां 13 फरवरी-2024 से धरने पर बैठ थे। इससे पहले केंद्र सरकार और किसान संगठनों की बुधवार को चंडीगढ़ में हुई बैठक बेनतीजा रही। बैठक खत्म होने के बाद खनौरी व शंभू बॉर्डर लौट रहे किसान नेताओं जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर समेत 300 से अधिक किसानों को हिरासत में ले लिया। अब अमृतसर-अंबाला-दिल्ली नेशनल हाईवे गुरुवार को खोल दिया जाएगा।

हालांकि अभी शंभू और खनौरी बॉर्डर पर लगाई गई बैरिकेडिंग नहीं हटाई गई है। पुलिस कार्रवाई के दौरान किसानों व पुलिस के बीच जमकर हाथापाई भी हुई, जिमसें कुछ किसान नेताओं की पगड़ियां उतर गईं।

सरकार ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर करीब 5000 पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं। वहीं, बॉर्डर एरिया में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं।

पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रदेश में अलग-अलग जगहों पर किसान सड़कों पर उतर आए। विपक्ष समेत सभी किसान नेताओं ने पुलिस की इस कार्रवाई का विरोध किया है।

## आंदोलन जारी रहेगा : तेजवीर सिंह

हरियाणा-पंजाब शंभू बॉर्डर पर किसानों का धरना प्रशासनिक कार्रवाई के बाद समाप्त हो गया, लेकिन किसान नेताओं ने साफ कर दिया है कि आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है। किसान नेता तेजवीर सिंह ने कहा कि पुलिस सभी किसान नेताओं को पकड़ने में सफल नहीं हो पाई है और जल्द ही आगे की रणनीति की घोषणा की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई केंद्र सरकार के इशारे पर पंजाब सरकार द्वारा की गई है।

## सरकार की कार्रवाई के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन, सभी डीसी ऑफिस का करेंगे घेराव

किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सतनाम सिंह पन्नू ने कहा है कि केंद्र और पंजाब सरकार को किसानों पर की गई कार्रवाई का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने ऐलान किया कि आज सभी जिलों में डीसी ऑफिस के बाहर किसान प्रदर्शन करेंगे। शंभू बॉर्डर से किसानों को हटाने के बाद आंदोलनकारियों में रोष है। सतनाम सिंह पन्नू ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसानों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन किसान झुकने वाले नहीं हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
**website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।